15/05/2021

गिल्लू पाठ का सारांश

"गिल्लू" कहानी हिंदी की ~~कहानी~~ महान लेखिका 'महादेवी वर्मा' द्वारा लिखित एक मर्मस्पर्शी कहानी है, जो हमें जानवरों के प्रति संवेदनशील होना सिखाती है। यह कहानी लेखिका के जीवन में घटित एक वास्तविक घटना का शब्दचित्र है, जो लेखिका ने कहानी के रूप में पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया है।

कहानी के अनुसार गिल्लू एक गिलहरी का छोटा सा ~~बच्चा~~ बच्चा था। जो ~~ले~~ लेखिका को घायल अवस्था में उसके घर के आँगन में मिला था। लेखिका ने उस गिलहरी के बच्चे को उठा लिया ~~क्योंकी~~ क्यों कि कौवे गिलहरी के बच्चे को नुकसान पहुँचा रहे थे।

लेखिका उस गिलहरी के बच्चे को उठाकर अपने कमरे में ले आई और उसका रक्त रुई से पोंछ कर ~~बच्चा~~ उसका प्राथमिक उपचार किया। उसके घावों

के ऊपर दवा लगाई, फिर धीरे-धीरे वह गिलहरी का बच्चा स्वस्थ होता गया। तीन दिनों के उपचार वो गिलहरी का बच्चा इतना स्वस्थ हो गया था कि वो अपने पंजों के बल पर चलने लगा।

गिलहरी का बच्चा लेखिका के पास ही रहने लगा। तीन चार महीनो के बाद वो गिलहरी का बच्चा एक वयस्क गिलहरी मे तब्दील हो गया। लेखिका ने प्यार से उसे 'गिल्लू' नाम दिया और उसके रहने के लिए पर्याप्त इंतजाम भी कर दिए थे। लेखिका ने डलिया में रूई बिछाकर उस पर गिलहरी के बच्चे को सोने का इंतजाम भी कर दिया था।